मुख्य समाचार :–

- भराड़ीसैंण में 19 अगस्त से होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की सभी तैयारिया पूरी।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर पौड़ी जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भूगर्भीय निरीक्षण किया।
- प्रदेश में बारिश का दौर जारी; देहरादून, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में आज भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट।
- भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र निर्यात में 2025–26 की पहली तिमाही में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

विधान सभा सत्र

उत्तराखंड का विधानसभा मानसून सत्र 19 से 22 अगस्त तक ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण में आयोजित होगा। इसे लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सत्र के लिए अब तक 32 विधायकों से 547 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं। विधानसभा सभागार में विधानसभा अध्यक्ष ने कल मानसून सत्र के लिए विभिन्न विभागों के उच्च स्तरीय अधिकारियों की बैठक में सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की थी। इस दौरान विस अध्यक्ष ने पुलिस अधिकारियों को सत्र के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। विधानसभा परिसर में प्रवेश करने में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विधानसभा सत्र नेवा (नेशनल इलेक्ट्रोल वेब एप्लीकेशन) के तहत संचालित होगा। इसके लिए आईटीडीए को विशेष निर्देश दिए गए। संचार कंपनियों की ओर से विधानसभा में हाई स्पीड नेटवर्क उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में पूरे परिसर में वाई–फाई सुविधा उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया। बिना प्रवेश के विधानसभा कर्मचारियों के वाहन परिसर में प्रवेश नहीं करेंगे। मंत्रियों की सिफारिश पर दो व विधायकों की सिफारिश पर दो आगंतुकों को ही प्रवेशपत्र जारी किया जाएगा। उन्होंने सत्र के दौरान स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली व पानी की आपूर्ति सुचारु रखने के निर्देश दिए। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सत्र के लिए सरकार पूरी तरह तैयार हैं।

बधाई दी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को देवभूमि उत्तराखंड के पारंपरिक लोकपर्व घी संक्रांति (घ्यू त्यार) की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। श्री धामी ने कहा कि हमारे लोकपर्व न केवल हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत के प्रतीक हैं, बल्कि पीढ़ियों को जोड़ने वाली अमूल्य धरोहर भी हैं। उन्होंने कहा कि यह पावन पर्व प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार करें।

तिथि बढ़ाई

अल्मोड़ा के सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक छात्र–छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक पहले सेमेस्टर में प्रवेश वंचित विद्यार्थियों को एक और मौका देते हुए समर्थ पोर्टल खोला है। विश्वविद्यालय के अधीन चार परिसर और 36 महाविद्यालयों में स्नातक पहले सेमेस्टर में इस शिक्षा सत्र में 14 हजार छात्रों ने पंजीकरण कराया हैं। विवि में घटती छात्र संख्या को देखते हुए उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों के हित में 19 अगस्त रात 11 बजकर 55 मिनट तक समर्थ पोर्टल को खोल दिया है।

एशियन ओपन प्रतियोगिता

राजधानी देहरादून के रायपुर स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में 20 से 23 अगस्त तक एशियन ओपन शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जाएगा। आई.एस.ए.आई अध्यक्ष अमिताभ शर्मा के ने बताया कि भारत पहली बार शीतकालीन खेलों की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता की मेज़बानी करने जा रहा है। श्री शर्मा ने बतसाया कि इस ऐतिहासिक प्रतियोगिता में भारत सहित 11 से अधिक एशियाई देश– चीन, जापान, हांगकांग, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, चीनी ताइपे, वियतनाम, मलेशिया और फिलीपींस भाग लेंगे।

मौसम , सड़क बाधित

प्रदेश में बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के चलते हुए भूस्खलन के कारण कईं स्थानों पर सड़क मार्ग आवागमन के लिये बाधित हो गये हैं। जिन्हें संबंधित विभाग खोलने के प्रयास में जुटा हुआ है। उधर भारी बारिश के चलते हुए भूस्खलन से उत्तरकाशी जिले में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले कई दिनों से बंद है। उत्तरकाशी के जिलाधिकारी प्रशांत आर्या ने बताया कि बीआरओ लगातार सड़क खोलने में जुटा हुआ है। उन्होंने बताया कि नेताला तक मार्ग खुला है, लेकिन बार, बार सड़क पर मलबा आने से बाधा बन रही है। प्रभावित क्षेत्रों में जरूरी सामान हेलीकॉप्टर के माध्यम से पहुंचाया जा रहा है। वहीं हर्षिल में बनी अस्थायी झील से पानी की निकासी शुरू हो गई है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्या ने बताया कि झील के मुहाने से पानी का प्रवाह सुचारू रूप से जारी है। इस बीच, मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज प्रदेश में कईं स्थानों में मूसलाधार बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र ने देहरादून, पिथौरागढ़ और बागेश्वर ज़िले में कहीं–कहीं भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अतिरिक्त, राज्य के अन्य हिस्सों में भी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

जलस्तर बढ़ा

ऊंचाई वाले इलाकों के साथ ही निचले क्षेत्रों में लगातार बारिश जारी है. बारिश के कारण नदियों के साथ ही गाड़–गदेरे उफान पर आ गए हैं। बदरीनाथ और केदारनाथ क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते अलकनंदा–मंदाकिनी नदियों का जल स्तर खतरे के निशान को पार कर गया है। जिसके कारण आपदा प्रबंधन विभाग की टीम को नदी किनारे बसे लोगों से सावधानी बरतने के साथ ही लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

भूगर्भीय निरीक्षण

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर पौड़ी जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भूगर्भीय निरीक्षण किया गया। गठित समिति ने तहसील पौड़ी और चौबट्टाखाल के सैंजी, कलगड़ी, बुरांसी, कोटा, क्यार्द, कलूण और रैदुल गांवों सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय दौरा किया। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की तीन सदस्यीय टीम में डॉ. अमित गौरव, डॉ. कृष्ण सिंह सजवाण और रुचि गोदियाल शामिल रहे। समिति ने पाया कि क्षति मुख्य रूप से तीव्र ढाल वाले क्षेत्रों, जल स्रोतों, नालों और गैप वाली चट्टानों के पास हुई है, जहां आवासीय भवन और कृषि भूमि को अतिवृष्टि से भारी नुकसान पहुंचा है। निरीक्षण के आधार पर सुरक्षा और पुनर्वास संबंधी विस्तृत रिपोर्ट शासन और प्रशासन को भेजी जाएगी। इसी बीच, बुआखाल– धुमाकोट–रामनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पाबो के पास कलगड़ी में बेली ब्रिज का निर्माण तेजी से जारी है। हाल ही में आई बाढ़ से वर्ष 1970 में बना यह मोटर पुल ध्वस्त हो गया था। नए 45 मीटर लंबे बेली ब्रिज के निर्माण से पैठाणी, थलीसैंण, चाकीसैण, त्रिपालीसैण, भरसार, बीरोंखाल और धुमाकोट क्षेत्र फिर से जिला मुख्यालय और रामनगर से सड़क मार्ग से जुड़ जाएंगे। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने बताया कि पुल का निर्माण युद्ध स्तर पर हो रहा है और अगले दो–तीन दिनों में छोटे वाहनों की आवाजाही शुरू होने की उम्मीद है।

एक की मृत्यु

हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग –109 पर लालकुआं कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर पुलिस चेक पोस्ट के पास हुए वाहन दुर्घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई, जबकी दो अन्य गंभीर रू‍प से घायल हो गये है। जिन्हें 108 की मदद से सुशीला तिवारी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

47 प्रतिशत की वृद्धि

वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निर्यात में 2025–26 की पहली तिमाही में 47 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री गोयल ने कहा कि मेक इन इंडिया पहल के कारण 2014–15 से लेकर अब तक इस एक दशक के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में 31 बिलियन डॉलर से 133 बिलियन डॉलर तक की तीव्र वृद्धि हुई है। श्री गोयल ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने कई प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में दो मोबाइल उत्पादन इकाईयां थीं। यह संख्या आज बढ़कर तीन सौ से अधिक हो गई है।

स्कूलों का कायाकल्प

शिक्षा विभाग प्रदेश में जर्जर हो चुके स्कूलों का कायाकल्प करेगा।

इसके लिए विभिन्न क्षतिग्रस्त विद्यालयों को चार श्रेणी ए,बी,सी और डी में बांटा गया है। पहले सी श्रेणी के विद्यालयों को सुधारने के लिए बजट की व्यवस्था की गई है। इसके तहत राज्य में सी श्रेणी के 10 विद्यालयों के निर्माण और मरम्मत कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत कुल 14 करोड़ 39 लाख की धनराशि स्वीकृत हुई है। जिसमें देहरादून, टिहरी, पौड़ी और उधम सिंह नगर के चार जिलो के विद्यालय शामिल हैं। मरम्मत कार्यों की जिम्मेदारी सिंचाई विभाग और ग्रामीण निर्माण विभाग को सौंपी गई है। शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि अधिकारियों को इन विद्यालयों को जल्द से जल्द निर्मित करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत इन विद्यालयों में सभी सुविधाओं वाले कक्षों का निर्माण किया जाएगा, जिन विद्यालयों में मरम्मत की जानी है वहां भी नई कक्षाओं के साथ शैक्षणिक माहौल को बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।